REPORTS OF THE COMMITTEE ON PAPERS LAID ON THE TABLE

SHRI R. MAGABANDU (Tamil Nadu): Sir, I present the following Reports (*in English and Hindi*) of the Committee on Papers Laid on the Table:—

(i) Sixty-ninth regarding Mishra Dhatu Nigam Limited, Bharat Dynamics Limited and Dredging Corporation of India Limited; and

(ii) Seventieth Report regarding Paradip Port Trust, Indian Institute of Technology, Mumbai and Hindustan Machine Tool.

REPORTS OF THE DEPARTMENT-RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON FINANCE

SHRI O.P. KOHLI (Delhi): Sir, I lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Fifteenth Report of the Standing Committee on Finance on the Insurance Regulatory Authority Bill, 1998.

RE. ALLEGED CORRUPTION CHARGES AND IMPROPRIETY IN DEFENCE DEALS

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): Sir, I am on a point of order. There is a difference in the business, because you have taken up some other business. *(interruptions)*.

MR. CHAIRMAN: What is the point of order?

SHRI VAYALAR RAVI: My point of order is under Rule 35, and it is regarding allocation of time. Rule 35 says: "As soon as may be after the report has been made to the Council,"—recently there was a report — "a motion may be moved by the Deputy Chiarman or in his absence, by any other member of the Committee designated by the Chairman that this Council agrees with the allocation of time proposed by the Committee in regard to such and such Bill or Bills, or other business, as the case may be," Here you know, Sir, in the last Advisory Committee we had taken a decision that the alleged corruption charged and impropriety in defence deals should be discussed today, that is, the 16th. As you know, it is a matter which has been very much debated in this country; the issue raised by Mr. Bhagwat regarding the whole problem in defence as well as the free trade of arms by the agents moving in the corridors of the Defence Ministry. It is a very serious matter, especially, the deals of the agents, and the commission being transacted. So, corruption charges have been made by the Chief of Naval Staff, Shri Bhagwat. This is a matter to be discussed in this House. The date fixed for this was the 16th of March. *(Interruptions)*. Mr. Pachouri had made a Motion on this point. *(Interruptions)*.

MR. CHAIRMAN: One Member is quite sufficient. *(Interruptions)*

SHRI VAYALAR RAVI: On this matter, I want to know this from the hon. Minister. When are you going to discuss it? We want to discuss it now. *(Interruptions)*. Becuase today was the day fixed for this. *(Interruptions)*.

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश): चेयरमैन सर, रक्षा मंत्रालय से संबंधित एक मोशन रूल 170 के तहत मैंने दिया था, वह 9 मार्च, 1999 के पार्लियामेंटरी बुलेटिन में भी प्रकाशित हुआ और 11 मार्च, 1999 की जो बिज़नेस ऐडवाइज़री कमेटी की मीटिंग हुई थी, उसमें भी इस बात का उल्लेख है कि डिफेंस से संबंधित जो चर्चा है वह मंगलवार को ली जाएगी, यह 11 मार्च की बिज़नेस ऐडवाइज़री कमेटी के मिनट्स में भी है। आज जब रिवाइज्ड लिस्ट आफ बिज़नेस हम देखते हैं तो, जो आज यानी मंगलवार को डिफेंस का मैटर टेक-अप करने की बात कही गई थी, उसका आज की लिस्ट आफ बिज़नेस में उल्लेख नहीं है, जो कि रूल 37 का **उल्लंघन है। महोदय, रूल 37 साफ कहता है कि यदि बिज़नेस ऐडवाइज़री कमेटी में यह तय होता है कि कौन सा विषय किस तिथि को, किस समय और कितने समय के लिए लिया जाएगा तो लिस्ट आफ बिज़नेस में उसका उल्लेख होना चाहिए। आज की लिस्ट आफ बिज़नेस में उसका उल्लेख नहीं किया गया है और इस तरह से रूल 37 का उल्लंघन किया गया है।**

महोदय, मेरे नाम से रूल 170 के तहत एक मोशन स्वीकार किया गया था, जो 9 मार्च, 1999 के पार्लियामेंटरी बुलेटिन में प्रकाशित हुआ, जिसमें इस बात का उल्लेख था कि रक्षा मंत्रालय में सौदों की खरीद में जो भ्रष्टाचार हो रहा है, जिस गलत तरीके से रक्षा मंत्रालय में कार्य-पद्धति चल रही है, उस पर चर्चा के लिए समय तय किया जाए, लेकिन रिवाइज्ड लिस्ट आफ बिज़नेस में उसका उल्लेख नहीं है।

महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहूंगा क्योंकि मेरे नाम से पार्लिमेंटरी बुलेटिन में यह विषय स्वीकृत किया गया है। इसलिए मैं आपका संरक्षण चाहूंगा। मेरे अधिकार का उल्लंघन हो रहा है। महोदय, मझे संसद सदस्य के रूप में जो अधिकार दिए गए हैं, मुझे उन अधिकारों का पालन नहीं करने दिया जा रहा है। इसलिए मैं आपके संरक्षण में इस सरकार से मांग करना चाहता हूं कि बिजनैस ऐवाईज़री कमेटी में जो तय किया गया था कि मंगलवार को इसके लिए समय दिया जाएगा, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहूंगा कि इसे किस समय लिया जाएगा, कितने समय के लिए लिया जाएगा.... (व्यवधान)

SHRI N. THALAVAI SOUNDARAM (Tamil Nadu): Sir, ... *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: You please go back. *(Interruptions)*...

You please go back. *(Interruptions)*...

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): Sir, we are also having some point. *(Interruptions)*.... Six persons are arrested. *(Interruptions)*....

श्री सुरेश पचौरी: जब यह तय किया गया था कि आज इस विषय पर डिस्कशन होगा... (व्यवधान) हम आपके माध्यम से जानना चाहते हैं कि इस पर डिस्कशन कब होगा... (व्यवधान) महोदय, आपकी रूलिंग चाहिए...(व्यवधान)...

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Sir, I quote: "The police have arrested..." *(Interruptions)*...

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): This is a serious issue. *(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरी: महोदय, आपका संरक्षण चाहिए। कृपया बताएं कि कौन सा समय इसके लिए तय किया गया है ...(व्यवधान) यह तय हुआ था कि रूल 170 के अंतर्गत इस पर विचार किया जाएगा ...(व्यवधान) कौन सा समय आज इसके लिए निर्धारित किया गया है, यह बताएं...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): ऐसा ही हुआ था बिहार के मामले में भी...(व्यवधान) सरकार फैसला नहीं ले पा रही है। सरकार फैसला नहीं ले पा रही है तो हम भी फैसला नहीं कर पा रहे हैं ...(व्यवधान) मेंबर्स के राईट्स कैसे प्रोटेक्ट होंगे ...(व्यवधान)

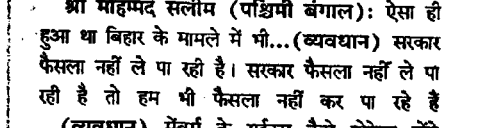

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bangal): Sir, you will recall that in the last meeting ...*(Interruptions)*...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): ये किस बात पर डिस्कशन हो रहा है? What discussion is going on? *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I am not hearing anything. *(Interruptions)*...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: सभापति महोदय, बिजनैस ऐडवाईज़री कमेटी में क्या तय हुआ है, इस पर यहां डिस्कशन नहीं किया जा सकता। दैट हाउस में यह तय हुआ था कि यहां पर आज केवल रेलवे बजट लिया जाएगा ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I am not hearing anything *(Interruptions)*...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: हमें कोई प्राब्लम नहीं थी, करप्शन चार्जेज पर डिस्कशन करें। कोई करप्शन चार्ज लगाया नहीं गया ...(व्यवधान) हम तैयार है इस पर डिस्कशन के लिए लेकिन आज रेलवे बजट लिया जाएगा... (व्यवधान)

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, you will recall that in the last meeting it was decided ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, the BAC cannot be discussed in the House. *(Interruptions)*...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: किसी करप्शन चार्ज पर कोई बहस हो, हमें कोई ऐतराज़ नहीं ...**(व्यवधान)**

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: From Maruti Rs. 70 crores have been snatched away by the vested interest people. *(Interruptions)*....

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: इन्होंने गुरुस्वामी के नाम पर इतना शोर मचाया, कुछ नहीं निकला। खोदा पहाड़ निकली चुहिया ...**(व्यवधान)** अब इसके बाद भागवत के नाम पर शोर मचा रहे हैं ...**(व्यवधान)**

DR. BIPLAB DAGUPTA: Sir, you will recall that in the last meeting of the Business Advisory Committee it was decided which item should be taken up day by day. *(Interruptions)*...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: सर, आज सिर्फ रेलवे बजट दिया हुआ है। ऑनली रेलवे...**(व्यवधान)** आज यही लिया जाना चाहिए।...**(व्यवधान)**

DR. BIPLAB DASGUPTA: We have moved the motion under Rule 170. You have accepted it. Now they are going back. They are going back....*(Interruptions)*

DR. BIPLAB DASGUPTA: If the Government does not want to take it to JPC, the motion should be discussed under Rule 170...*(Interruptions)*.

SHRI VIDUTHALAI VIRUMBI: Like Government business, public money is also equally important. Public money is more important....*(Interruptions)*.

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: न इनके पास एजेंडा है, न यह किसी पर डिस्कस करना चाहते हैं।...**(व्यवधान)** अभी यह ले आए हैं करप्शन चार्जेज।...**(व्यवधान)**

DR. BIPLAB DASGUPTA: We are seeking response on these two issues. *(Interruptions)*.

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Why is it not being discussed under rule 170?...*(Interruptions)*. We are seeking a categorical reply from the Government. The Opposition here is in majority and we should be allowed...*(Interruptions)*.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, we are seeking a response from the Government...*(Interruptions)*

SHRI VIDUTHALAI VIRUMBI: Sir, you please direct the Government...*(Interruptions)*.

SHRI M. VINKAIAH NAIDU: What is happening in the House? What scam we are discussing? It is Bofors scam, is it fodder scam...*(Interruptions)*.

SHRI NILOTPAL BASU: We want to discuss. We have given a Motion. It is there in the bulletin. Now, what it the reason? Why has it not been included in the business?...*(interruptions)*.

श्री संजय निरुपम (उत्तर प्रदेश): पहले रेल बजट होगा। उसके बाद कुछ भी लिया जाए।...**(व्यवधान)**

श्री सुरेश पचौरी: सर, मेरे मोशन का क्या हुआ...**(व्यवधान)**

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, they are wasting the time of the House. Why are they not interested in discussing the Railway Budget?

श्री संजय निरुपम: पहले रेल बजट पास किया जाए।...**(व्यवधान)** रेल बजट क्यों नहीं पास किया जा रहा है। और चर्चा बाद में होगी। ...पहले रेल बजट पर चर्चा होनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Sir, the point is this. We have been imploring upon the Government to kindly agree to a discussion on this, under Rule 170, so that the House can express its opinion. The House would like to express its opinion on the disputes, on the complaints, that he has raised. The Government is afraid....*(Interruptions)*.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: There is no point at all..*(Interruptions)*

SHRI VIDUTHALAI VIRUMBI: There is a point Sir. Both these issues are

inter-related. There is a point...*(Interruptions)*.

SHRI GURDAS DAS GUPTA: Mr. Chairman, Sir, our point is, Rajya Sabha must be allowed to give its opinion on the Bhagwat issue.

The Government must agree. If the Government does not...*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: I am not hearing anybody. Mr. Pranab Mukherjee...*(Interruptions)*.

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bangal): I would like to draw your attention, Sir, that this is a procedural matter. Please see Rules 167—171, to which Mr. Suresh Pachouri has also drawn the attention.

A substantive motion under Rule 167 was given. Notice was given under Rule 168...*(Interruptions)*

It admitted under Rule 170, and it was notified in the Parliamentary bulletin. Sir, even when you were Member of this House, on 4th December, 1967, when a question arose as to what would get preference when a motion was admitted under 'No-Day-Yet-Named Motion' in the name of a private Member, and when the Government brought a substantive motion on that issue, this House was good enough to admit both the Motion; both the Motions were decided. The whole rationality of having it under Rule 167 is that we do not have the right to move an adjournment motion; we do not have the right to move a censure motion; we do not have the right to move a no-confidence motion. But if the hon.Mermbers of this House want to express their opinion collectively through a substantive motion in substantive way, then the only provision which is there in the whole Rules book, and the practice which has been there since 1952 is that a no-date-yet-named motion is admitted by the Chairman. And this is what was done here. So far as the two aspects are concerned, the notice has been received....*(Interruptions)*. The Government has admitted it...*(Interruptions)* Let me complete....*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: I will call you next.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: After I finish, let the other hon. Members express their views. I am not disrupting anybody. All the Members from that side, whoever would like to speak, should get an opportunity to express their views because it is not a question of this party or that party. This is, basically, a question of the right of the House to raise a discussion under a substantive motion. Therefore, everybody should be heard. And, thereafter, you come to your own conclusion. I don't feel that there are any differences on this matter. If you look at how Parliament conducts its business, if you look at the book 'Rajya Sabha at Work', from page 606 onwards,....*(Interruptions)*

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND MINISTER OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES SHRI PRAMOD MAHAJAN: What are we discussing?

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Umpteen examples have been given to show the Chair and the House collectively decided arrive at a discussion. Umpteen precedents can be given. Even on State subjects, Mr. Advani and others sitting from this side had raised this question...*(Interruptions)*. I am talking on a procedural matter... *(Interruptions)*. Mr. Mahajan, I am not yielding. Therefore, most respectfully, I would like to submit, and I would like to appeal to the Treasury Benches, if you want to take this House into confidence, if you want to conduct. Government business with the co-operation of all, please do agree. What has happended? We decided to have the discussion....*(Interruptions)*

श्री संजय निरूपम: सदन का समय बरबाद करने का अधिकार आप लोगों को नहीं है।...(व्यवधान)...

रेल बजट तीन दिन से लटका है।....रेल बजट पर चर्चा कीजिए...(व्यवधान)...

SHRI PRANAB MUKHERJEE: We sat up to 9.00 p.m. yesterday to transact Government business....*(Interruptions)* We decided to have a discussion on it...*(Interruptions)*

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: You canot threaten the House like this...*(Interruptions)*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: We demand that this issue of dismissal of the Defence Chief, and also matters related to the Defence Ministry, should be discussed in a substantive motion under Rule 171 so that the House can, collectively, express its opinion. And, unless this is admitted, I am sorry, we cannot extend any co-operation to that side.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, Rule 171, which the hon. Member, Shri Pranab Mukherjee, has quoted, says:

> "If the Chairman admits notice of a motion and no date is frixed for the discussion of such motion, it shall be immediately notified in the Bulletin with the heading "No-Day-Yet-Named Motion."

This is what Rule 171 says...*(Interruptions)* Sir, in your wisdom, you admitted the motion of hon. Suresh Pachouri and hon. Pranab Mukherjee, under Rule 171 which was then notified in the bulletin. Now, Rule 172 says, and I quote:

> "The Chairman may, after considering the state of business in the Council and in consultation with the Leader of the Council, allot a day or days or part of a day for the discussion of any such motion."

श्री सुरेश पचौरी: सर, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक हुई।...(व्यवधान)...बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक हुई उसके मिनट्स देख लीजिए।...व्यवधान)... 11 मार्च को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की जो मीटिंग हुई उसके मिनट्सदेख लीजिए।...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Just a minute. Please sit down Mr. Pachouri and Mr. Pranab Mukherjee, you are very learned people and you know the parliamentary procedure. I am sorry that hon. Members are quoting from the minutes of the Business Advisory Committee, It is mentioned at page 703 of the book by 'Subhash Kashyap' that the minutes of the Committee are treated as confidential and these are neither laid on the Table of the House nor circulated to the Members, unlike the practice for and in case of the parliamentary committees. So, the point is that the minutes and the business of the BAC are not discussed in this House. You are quoting the minutes. It is not fair. For the first time you are doing it. It should not have been done. That is number one. *(Interruptions)* After that, let me hear what he is saying and then I will dispose of the other points after I have heard Mr. Pramod Manajan.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, as a Member....*(Interruptins)*

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, I want to ask...

MR. CHAIRMAN: No. Please sit down. Let me hear him.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, as you were kind enough to inform about the Business Advisory Committee, I am not a part of it and I don't know what happened in the Committee. You know it. If is for your judgment. Now, Rule 172 says:—

> "The Chairman may after considering the state of business in the Council and in consulation with the Leader ofthe Council allot a day or days or part of a day for the discussion of any such motion."

Sir, this Rule gives you the right. Now, you have to decide and you have to decide in consultation with the Leader of the Council. Sir, you consult the Leader of the Council and decide watever you feel is right. Why are they forcing the House to take a decision on this? The House cannot take a decision.

...*(Interruptions)*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: On a number of occasions this House has decided; a notice which was admitted was discussed on 4th December 1967...

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Forget 4th December 1967.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: We cannot forget it. This is a continuing House.

श्री संजय निरुपमः आप अपना कमिटमैंट क्यों भूल रहे हैं। प्रणव बाबू शनिवार को जो कमिटमैंट किया था आप उसे क्यों भूल रहे हैं।...(व्यवधान)...आपने शनिवार को सदन में कमिटमेंट किया था कि...(व्यवधान)...

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Mr. Chairman, Sir, you can discuss it with the Leader of the Council. *(Interruptions)* Sir, what is this? He is not allowing me to speak...*(Interruptions)*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: The decision in the BAC was...*(Interruptions)*

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, as I said, you can take the decision. *(Interruptions)*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Therefore, it was decided—and it was decided even informally—that if we could complete the discussion on the Railway Budget, this could have been discussed today. That was the decision. Now, I am not going to quote the minutes of the Business Advisory Committee. But its decisions are communicated and it was an informal decision which we took. So, I will implore upon the Government not to budge from that decision, wherein you, according to Rule 172...*(Interruptions)* Rule 172 was complied with. *(Interruptions)* Rule 172 was complied with.

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्राः सर, हर बार इसी बात को रिपीट किया जा रहा है। ...(व्यवधान)...

Kindly listen to us also. (*Intersuptions*)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: The Leader of the Council has given the time. Let him deny that he was given the time. *(Interruptions)* Let the Leader of the House come and say that he has not given the time. Let him come and discuss it. *(Interruptions)*

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, let me complete first.

MR. CHAIRMAN: Yes, Let him complete first.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, what I was saying was that under Rule 172 it is your judgment, in consultation with the Leader of the Council, in taking a decision on this motion. And you can take your own decision. I think the House should not force a decision on the Chairman right here and now. It is not needed. You can talk to the Leader of the Council and take an appropriate decision. I do not know why they are forcing it. Everytime, Sir, ...*(Interruptions)*

श्री सुरेश पचौरीः एक तरफ वह यह कहते हैं कि वह बीएसी की मीटिंग में नहीं थे, दूसरी तरफ वह कहते हैं कि उन्हें जानकारी नहीं है कि बीएसी में क्या हुआ। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्राः चेयरमैन साहब, ये बार-बार बैंच में बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं। ...(व्यवधान)

Sir, he should be allowed to complete. ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरीः सभापति महोदय, हमें यह जानने का अधिकार है कि हमारे मोशन का क्या हुआ? ...(व्यवधान)... कब लिया जा रहा है? ...(व्यवधान)... यह जानने का अधिकार है। ...(व्यवधान)...

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, all of us have to obey these rules. Nobody here is above the rules. But, we have always seen that whenever the House of People elects a non-Congress Government, the Congress people use their * majority...*(Interruptions)*...

SHRI PRANAB MUKHERJEE: It is absolutely wrong. ...*(Interruptions)*...

SHRI SURESH PACHOURI: Sir, he must withdraw that remark.

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्राः इन्हें न कन्ट्री की सिक्योरिटी का ध्यान है और न किसी और चीज का। ...(व्यवधान)...

SHRI MD. SALIM: Sir, before you dispose this of, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please sit down. ...*(Interruptions)*... I say, you sit down. ...*(Interruptions)*... I have to quote the rules. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... When the Chairman is standing, you must sit down. ...*(Interruptions)*... When the Chairman is standing... Now, you are going against... *(Interruptions)*... When the Chairman is standing, Members must sit down. I will deal with it. Why should you? ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... Why are you standing? ...*(Interruptions)*... Who are you to do it? ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: This can be contempt of the House. ...*(Interruptions)*...

* Expunged as ordered by the Chair.

MR. CHAIRMAN: Please sit down. When I am speaking, you want him to take a decision, not myself? This is rather very bad. I have heard your point; I was hearing him. Nobody should say that... *(Interruptions)*... Please hear me. According to the book on "Unparliamentary Expression," the word * is unparliamentary. So, I would like that word should not go on record. ...*(Interruptions)*...

SHRI HANSRAJ BHARDWAJ (Madhya Pradesh): He has blamed the whole party. ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Shri Pranab Mukherjee gave an assurance on Saturday that... ...*(Interruptions)*... Let them go through the record. ...*(Interruptions)*...

---

* Expunged as ordered by the Chair.

MR. CHAIRMAN: Please sit down. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... Please let me say something. As far as the point raised by Shri Pranab Mukherjee is concerned, it is true that the motion was admitted, and according to Rule 172, I have asked the Leader of the House to convey to me his convenience and time, how and when it can be taken up. I have yet to receive it from the Leader of the House. So, I cannot give... ...*(Interruptions)*...

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, you can call him here. ...*(Interruptions)*...

श्री संजय निरूपमः सर, श्री प्रणब मुखर्जी ने क्या कहा, मैं पढ़कर बताना चाहता हूं ...(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, ...*(Interruptions)*...

AN HON. MEMBER: They are misleading the nation. ...*(Interruptions)*... Sir, you have to take a decision. ...*(Interruptions)*...

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, it is an important issue. ...*(Interruptions)*... This issue should be taken up. ...*(Interruptions)*... Security of the nation is in ...*(Interruptions)*... We should immediately discuss it. ...*(Interruptions)*...

एक माननीय सदस्यः श्रीमान् ...(व्यवधान)... तब तक ...(व्यवधान) अगर ...(व्यवधान) डिस्कशन नहीं होगा ...(व्यवधान)

SHRI MD. SALIM: Sir, under rule 172, you please take a decision. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned till 2 o'clock.

The House then adjourned at thirty seven minutes past twelve of the clock.

2 P.M.

The House reassembled at two of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, do you get any information from the Government about the...

ANNOUNCEMENT BY CHAIR

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, I have to inform you that the following communication dated the 12th March, 1999, has been received from the Superintendent of Police (Administration), CBI, New Delhi.

> "Shri Shibu Soren, M.P., Rajya Sabha, against whom the charges in RC. 5 (S)/96-SIU(XI) (Shashi Nath Jha murder case) had been framed by the hon. court has been sent to jail on 11.3.1999 by the learned court."

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

The Central Vigilance Commission Bill, 1999

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha signed by the Secretary-General of the Lok Sabha:

> "In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Central Vigilance Commission Bill, 1999, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 15th March, 1999.".

Sir, I lay the Bill on the Table.

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Sir, we had this question in the morning ...*(Interruptions)*.. You had expressed your inability ...*(Interruptions)*.. Let us know the mind of the Government ...*(Interruptions)*... Let the Government come out clearly ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, go through the records of Saturday ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned for the day.

> The House then adjourned at two minutes past two of the clock till eleven of the clock on Tuesday, the 17th March, 1999.